

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—वण्ड 3—उप-वण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

tio 168]

नई विल्ली, शनिवार, जून 2, 1979/ज्येष्ठ 12, 1901

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 2, 1979/JYAISTHA 12, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकक्षत के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विवेश मंत्रालय

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मई, 1979

मा० का० नि० 340(श्र).—भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'स' (भर्ती, संबर्ग, थरीयता एवं पदोन्नति) नियमावली, 1964 के नियम 12 के उप-नियम 3(क) के अनुपालन में विदेश मंद्रालय, इसके द्वारा निम्न-लिखन विनियम बनाता है, अर्थात् :---

- संक्षिप्त शीर्षक: (1) ये विनिमय भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' सामान्य, संघर्ग का वर्ग 1 श्रनुसूचित जाति तथा श्रनुसूचित जनजाित की झारक्षित रिक्तियों को भरने के लिए (सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम कह्लायोंगे।
- (2) ये सरकारी राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच से लागू होंगे।
 2. परिभाषा: (1) इन विनियमों में, जब तक सन्दर्भ में ग्रन्यचा क्रमेक्षित न हों:
 - (क) "निर्णायक तारीख" से प्रभिन्नेत होगा जिस वर्ष परीक्षा होनी है उस वर्ष से पूर्व वर्ष के विसम्बर मास का इकतीसवा दिन।
 - (च्य) "परीक्षा" से अभिप्रेत होगा प्रारक्षित रिक्तियों को भरते के लिए सामान्य संवर्ग के वर्ग 1 की चयन-सूची में संवर्धन के लिए प्रायोग द्वारा भ्रायोजित सीमित विभागीय प्रित्योगिता परीक्षा जो अनुसूचित जाति एवं भ्रनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों तक सीमित होगी।

- (2) इन जिनियमों में प्रयुक्त श्रन्य सभी शब्दों तथा श्रीभव्यक्तियों का, जिन्हें इनमें परिभाषित नहीं किया गया है, परन्तु भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' (भर्ती, संबर्ग बरीयता एवं पदोन्नति) नियमावली, 1964 में परिभाषित किया गया है, कमशः वहीं श्रर्य होगा जो इन नियमों में विया गया है।
- 3. परीक्षा का प्रायोजन: (1) यह परीक्षा संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा विदेश मंत्रालय की ओर से समय-समय पर प्रधिसूचित तरीके से श्रायोजित की जाएगी।
- (2) परीक्षा की तारीका और स्थान मायोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।
- 4. पालता की गार्तैः भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के प्रमुभाग प्रधिकारी वर्ग (सामाप्य संवर्ग के एकीकृत वर्ग II और III) प्रवदा प्रामुलिपिक उप-संवर्ग के प्रवरण वर्ग का कोई भी स्थायी प्रधिकारी प्रथवा कोई प्रधिकारी जिसका नाम भारतीय विदेश सेवा-शाखा 'ख' के प्रमुभाग प्रधिकारी वर्ग (सामान्य संवर्ग का एकीकृत वर्ग II और III) की चयन सूची में या प्रागुलिपिक उप-संवर्ग के प्रवरण वर्ग की चयन सूची में या प्रागुलिपिक उप-संवर्ग के प्रवरण वर्ग की चयन सूची में शामिल हो और जो प्रमुसूचित जाति प्रथवा प्रमुसूचित जनजाति का हो और जो निर्णायक तारीश्व को निम्नलिखित शर्ते पूरी करता हो, इस परीक्षा में बैठ सकता है, यथा:—
 - (1) सेवा की अवधिः उसने भारतीय विवेश सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग (सामान्य संवर्ग का एकीकृत वर्ग II और III) में अथवा आधुलिपिक उप-संवर्ग के प्रवरण वर्ग में अथवा दोनों में, जैसी भी स्थिति हो, कम से कम चार वर्ष की अनुमोदित और निरन्तर सेवा की हो।

202 GJ/79 (763)

- टिप्पन्नी (i) भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'खं' के प्राणुलिपिक उप-संवर्ग के प्रवरण वर्ग के मामले में प्रनुभौदित सेवा में भारतीय विदेश सेवा, नाखा 'खं' के प्राणु-लिपिक उप-संवर्ग के वर्ग 1 में की गर्या प्रनुभौदित सेवा की प्राधी अवधि शामिल होगी।
 - (ii) सैनिक ड्यूटी में रहने पर ध्रनुपस्थिति की किसी भी अविधि को उक्त पदों में से किसी भी पद के लिए निर्धारित सेवा काल में गिनने की ध्रनुमित दी जाएगी ।
- (2) भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के सामान्य संबर्ग के एकीकृत वर्ग ii और iii के श्रनुभाग प्राधकारी और श्राशुलिपिक उप-संबर्ग के प्रवरण वर्ग के श्रधकारी, जो संबर्ग-बाह्य पद पर प्रतितियुक्त है, यदि श्रन्यथा योग्य हो तो, इस परीक्षा में बैठ सकते हैं।
- (3) भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के एकी छून वर्ग ii और iii का कोई ऐसा अनुभाग प्रधिकारी या आणु-लिपिक उप-संवर्ग के प्रवरण वर्ग का कोई ऐसा श्रिधकारी जो किसी संवर्ग-वाह्म पत्र पर नियुक्त हुआ हो अथवा स्थानान्तरण पर किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया हो और जिसका भारतीय विदेश सेवा शाखा (ख) के अनुभाग श्रिधकारी में य आगुलिपिक उप-संवर्ग के प्रवरण वर्ग में, जैसी भी स्थिति हो, पुनर्ग्रहणाधिकार न हो, इस परीक्षा में नहीं बैठ सकेगा।
- 5. पावता का निर्णय: परीक्षा में प्रवेश के लिए उम्मीदशार की पावता अथवा उसके बारे में आयोग का कोई भन्य निर्णय प्रनित्तम होगा और किमी भी उम्मीदबार को, जिसे आयोग ने अवेश प्रमाण-पत्र जारी किया हो, परीक्षा में प्रवेश की श्रनुमति नहीं दी जाएगी।
- 6. परिणाम: (1) उन उम्मीवनारों के नामों की, जिन्हें ग्रायोग किसी परीक्षा के परिणाम के आधार पर चयन के लिए उपयुक्त समझा जाएगा, योग्यताकम के अनुसार वी अलग-अलग सूचिया बनाई जाएंगी जिनमें से एक में अनुसूचित जाति के और दूसरी में अनुसूचित जनजाति के सदस्य होंगे, और उसी कम में जितने उम्मीदवारों को भ्रायोग द्वारा परीक्षा योग्य ठहराया गया हो उनकी भ्रायोग द्वारा भ्रपेक्षित संख्या तक उम्मीदवारों की उपर्युक्त दोनों कोटियों की श्यन सूची में शामिल किये जाने के लिए सिफारिण की जाएगी।
- (2) प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा का परिणाम प्रायोग द्वारा निर्धारित किसी नरीके से ब्रायोग कारा भी भेजा जाएगा ।
- 7. चयन: परीक्षा में सफलता से सामान्य सवर्ग के वर्ग 1 की चयन सूची में शामिल किये जाने का श्रिष्ठकार नहीं मिल जाता जब तक कि केन्द्र सरकार श्रिपेशन जांच करवा लेने के बाद इस ओर से सन्तुष्ट नहीं हो जाती कि उम्मीदवार, सेवा में उसके श्राचरण को ध्यान में रखते हुए, चयन के लिए सभी तरह से योग्य और उपयुक्त है:

लेकिन किसी विशिष्ट उम्मीदवार के चयन की अयोग्यता का निर्णय जिसके लिए भाषीन ने सिफारिश की हो, भाषीन के परामर्थ से किया आएना।

- दुराचरण के लिए दण्ड: उस उम्मीदवार को, जिसे भागोग ने निम्नलिखित कारणों से बोधी घोषित किया हो:---
 - (क) किसी भी तरीकें से अपनी अर्क्यिता के लिए समर्थन प्राप्त करने; अथवा
 - (ख) प्रतिरूपण करने; श्रथवा
 - (ग) किसी व्यक्ति द्वारा प्रसिरूपण करवाने; भ्रम्थवा
 - (घ) जाली श्रथवा ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत करने जिनमें हेर-फेर किया हो; श्रथवा
 - (इ) गलत श्रथमा श्रमत्य विवरण देने श्रयमा तथ्य को छिपाने;ग्रथना

- (च) परीक्षा के लिए ग्रपनी अभ्यधिता के सम्बन्ध में किसी भ्रत्य ग्रनियमित ग्रथवा ग्रनुचित तरीकों से काम लेने; प्रथणा
- (छ) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाने; अथवा
- (ज) परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करने; ग्रथवा

- (म) उल्लिखित धाराओं में बताया गया कोई कार्य करने का प्रयत्म प्रगर कोई करता हो या इन कामो को करने के लिए किसी को उकसाता हो तो उसके खिलाफ ग्रपराधिक श्रीभयोग को खलाया ही जा संकता है, इसके प्रतिरिक्त उसे:—
 - (क) भ्रायोग द्वारा उस परीक्षा के लिए ग्रयोग्य ठहराया जा सकता है जिसके लिए वह उम्मीदशार है: पंथवा
 - (ख) (i) भायोग द्वारा उसके द्वारा भायोजित किसी भी परीक्षा भ्रथव चयन या;
 - (ii) केन्द्र सरकार द्वार अपने अधीन किसी भी लियोजन से; स्थामी रूप से प्रथवा किसी विनिदिष्ट अवधि के लिए बहिष्कृत किया जा सकत है।
 - (ग) समुचित नियमों के प्रन्तर्गत ग्रन्णामनिक वार्यजाही की आ सकती है।

[मं० 170/मी० ए० डी०/74] इंग्रत ग्रजीज, निदेशक

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st May, 1979

- G.S.R. 340(E).—In pursuance of sub-rule 3(a) of Rule-12 of the Indian Foreign Service, Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, the Ministry of External Affairs hereby makes the following regulations, namely:
- 1. Short title.—(1) These regulations may be called the Indian Foreign Service, Branch 'B' Grade-I of the General Cadre (Limited Departmental Competitive Examination for filling vacancies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) Regulations, 1979.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—(1) In these regulations, unless the context otherwise requires:—
 - (a) "Crucial date" means the thirty first day of December of the year preceding the year in which the examination is held.
 - (b) "examination" means a Limited Departmental Competitive Examination held by the Commission and confined to the candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes for making additions to the Select List for Grade-I of the General Cadre against reserved vacancies.
- (2) All other words and expressions used in these regulations and not defined but defined in the Indian Foreign Service, Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964 shall have the meanings respectively assigned to them in these Rules,
- 3. Holding of the examination.—(1) The examination shall be conducted by the Commission in the manner notified by the Ministry of External Affairs from time to time.
- (2) The dates on which and the places at which the examination shall be held shall be fixed by the Commission.
- 4. Conditions of eligibility.—Any permanent officer of the Section Officers' Grade (Integrated Grades-II & III of the General Cadre) or Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B' or any officer whose name has been included in the Select List for

the Section Officers' Grade (Integrated Grades-II and III of the General Cadre) or the Select List for Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of IFS(B) and who belongs to any Scheduled Caste or Scheduled Tribe and who, on the crucial date, satisfies the following conditions shall be eligible to appear at the examination, namely:—

- (1) Length of Service.—He should have rendered not less than 4 years approved and continuous service in the Section Officers' Grade (Integrated Grades-II and III of the General Cadre) or in the Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B' or in the both, as the case may be.
- Note: (1) In the case Selection Grade Officers of the Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B' the approved service shall include halt of the approved service rendered in Grade-1 of the Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B'.
 - (ii) Any period of absence on Military duties may be allowed to be counted towards the prescribed length of service in any of the above posts.
 - (2) Section Officers of the Integrated Grades-II and III of the General Cadre and Officers of Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of IFS(B) who are on deputation to ex-cadre post shall be eligible to appear at the examination if otherwise eligible.
 - (3) A Section Officer of the Integrated Grades-II and III of the General Cadre or an officer of Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of IFS(B) who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer and does not have a lien in the Section Officers' Grade or Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of the IFS(B), as the case may be, shall not be eligible to appear at the examination.
- 5. Decision as to eligibility.—The decision of the Commission to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final and no candidate to whom a certificate of admission has not been issued by the Commission shall be admitted to the examination.
- 6. Results.—(1) The names of the candidates who are considered by the Commission to be suitable for selection on the result of any examination shall be arranged in the order of merit in two separate lists, one being for candidates belonging to the Scheduled Castes and the other being for candidates belonging to the Scheduled Tribes, and in that order as many candidates, as are found by the Commission to be qualified shall be recommended for inclusion in the Sclect List for each of the aforesaid two categories of candidates upto the required number.

- (2) The results of the examination shall be communicated to individual candidates by the Commission in such manner as may be determined by the Commission.
- 7. Selection.—Success in the examination confers no right to be included in the Select List for Grade-I of the General Cadre unless the Central Government is satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his conduct in service, is suitable in all respects for selection:

Provided that the decision as to whether a particular candidate recommended for selection by the Commission is not suitable shall be taken in consultation with the Commission.

- 8. Penalty for Misconduct.—A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—
 - (a) Obtaining support for his candidature by any means;
 - (b) Impersonating, or
 - (c) Procuring impersonation by any person; or
 - (d) Submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
 - (e) Making statements which are incorrect or false; or suppressing material information; or
 - (f) Resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
 - (g) Using unfair means in the examination hall; or
 - (h) Misbehaving in the examination hall; or
 - (i) Attempting to commit or, as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable:—

- (A) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (B) to be debatted either permanently or for a specified period:—
 - (i) by the Commission, from any examination or Selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) to disciplinary action under the appropriate rules.

[No. 170/C.A.D./79] ISHRAT AZIZ, Director